संस्कार परिवर्तन : हमें यह सोचना चाहिए कि हम कुछ बनेंगे तो देने के लिए, लेने के लिए नहीं...

सिर्फ 1 सोच से ही बदल जाता है जीवन

देखें आज सारे दिन कौन-सी बातें हुई थीं। क्या किसी भी बात से मन में हलचल आई थी? उसे फिर मन पर लेकर आएं। और उसी परिस्थिति में खुद को देखें कि परिस्थति मेरे अनुसार नहीं है। मैं शांत और स्थिर आत्मा हूँ और ये मेरी शक्ति है। हमेशा खुश रहने वाली सुख स्वरूप आत्मा हूँ। हरेक रिश्ते में कोई कैसा भी व्यवहार करे, मेरा संस्कार सबको प्यार देने वाला हो। मैं प्रेमस्वरूप आत्मा हूँ। इसको मन में रोज़ दोहराना है। मैं शक्तिशाली आत्मा हूँ, भृकुटि के बीच उस सितारे को देखते रहना और साथ-साथ दोहराना है मैं शांत स्वरूप, सुख स्वरूप, प्रेम स्वरूप आत्मा हूँ। मैं सर्वशक्तिमान परमात्मा की संतान हूँ, मैं उनकी ही तरह सर्वशक्तिमान आत्मा हूँ।

हम सब परमात्मा को प्यार से याद करते हैं और कहते हैं- तुम माता-पिता हो हम आपके बच्चे हैं। माता-पिता कैसे हैं- सर्वशक्तिमान हैं, प्यार का सागर हैं, विश्व-कल्याणकारी हैं, क्षमा का सागर हैं, प्यार का सागर हैं, दुःखहर्ता-सुखकर्ता हैं। हम ऐसे परमात्मा के बच्चे हैं, तो बच्चे कैसे होंगे? अगर आपके पास भरपूर धन है तो क्या ऐसा हो सकता है कि आपके बच्चे दुनिया के सामने मांगते रहें कि एक रुपया दे दो? हमारे पिता के पास प्यार का सागर है। वो दाता है, दाता का हाथ कैसा होता है? देने वाला होता है। वो दाता है। हम उसके बच्चे हैं। तो फिर हम कौन हो गए? दाता के बच्चे देने वाले होंगे या मांगने वाले होंगे?

हम में से किस-किस को खुशी चाहिए और हम में से किस-किस को शान्ति चाहिए। फिर हम में से किस-किस को प्यार चाहिए। पूछने

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

पर हमारा हाथ उठ जाता है। हम कह रहे थे दाता के बच्चे देने वाले होंगे। लेकिन अभी चाहिए पूछने पर हम हाथ उठा रहे हैं। शान्ति चाहिए, खुशी चाहिए, प्यार चाहिए तो हमारा हाथ कौन-सी तरफ है? देने वाली तरफ है या मांगने वाली तरफ है? कौन अच्छा लगता है- मांगने वाला या देने वाला? एक सोच जीवन बदल देती है। एक सोच हमने बना ली- खुशी चाहिए। कहीं किसी ने बोला तो हमने भी सुन लिया। सुन लिया तो हमने भी बोलना शुरू कर दिया कि खुशी चाहिए, रिश्तों में प्यार चाहिए, छोटों से सम्मान चाहिए, बड़ों से स्नेह चाहिए। चाहिए...चाहिए... बोलते गए। बाज़ार में दुकानों पर बड़े-बड़े चित्र लगे रहते हैं कि अगर आप ये खरीद लेंगे तो आपके पास खुशी आएगी तो हमने कहा ये चाहिए। ये करते-करते एक सोच बन गई और जितना चाहिए-चाहिए वाली सोच बनी, उतना खुशी बढ़ी या खुशी घटी? आप सिर्फ ये चेक करो- पिछले कुछ सालों में मतलब दो-तीन साल ही देख लो। दो-तीन सालों में खुशी बढ़ी या घटी? चिंताएं बढ़ी या घटीं?

अभी पीछे जब मैं अमेरिका गई थी तब वहां पूछा कि किस-किस को खुशी चाहिए तो सबने हाथ उठा दिया। अधिकतर वो लोग थे जो यहां से गए थे कि वहां खुशी मिल जाएगी। हम कुछ न कुछ करते रहते हैं ये सोचकर कि ये खरीदेंगे तो खुशी मिल जाएगी, वहां चले जाएंगे तो खुशी मिल जाएगी, ये बन जाएंगे तो खुशी मिल जाएगी, वो पा लेंगे तो खुशी मिल जाएगी। यह सब ज़रूरी हैं। हमें यह सोचना चाहिए कि हम कुछ बनेंगे तो देने के लिए, लेने के लिए नहीं।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on

E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000
Website: www.omshantimedia.org

हरि नगर-नई दिल्ली। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में तिलक नगर स्थित सनातन धर्म सात मंजिला मंदिर में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन,जेवर, तिलक नगर मार्केट के एसोसिएशन,मंदिर के चेयरमैन सुरेश मलिक, स्टार लैब के डायरेक्टर डॉ. समीर तथा अन्य।

रामगढ़ कैंट-झारखंड। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए न्यूज़ लेंस तथा एबीपी नेशनल न्यूज़ के रिपोर्टर विनीत शर्मा, रोटरी क्लब के सदस्य, व्यवसाय सुरेश बगड़िया, विद्या विकाश समिति के जिला संयोजक शंकर लाल अग्रवाल, राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी एवं ब्र.कु. प्रदीप।

सिकंदरा सेक्टर 7-आगरा(उ.प्र.)। शिव जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. मधु, आशीष,इनकम टैक्स ऑफिसर, गोविंद आर्मी ऑफिसर तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

शांतिकुंड-ब्रह्मपुर(ओड़िशा)। ब्रह्मपुर में आयोजित जिला स्तरीय गंजाम महोत्सव स्वास्थ्य मेला में लगाई चित्र प्रदर्शनी द्वारा वाणिज्य परिवहन एवं इस्पात मंत्री विभूति भूषण जेना को ईश्वरीय संदेश देते हुए ब्र.कु. माली बहन।

स्वरूपगंज-दिल्ली। शिवरात्रि के अवसर पर आए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. राज बहन से आशीर्वाद लेते हुए नवनिर्वाचित विधायक स्वरूप नगर दिल्ली-42 दीपक चौधरी। साथ हैं ब्र.कु. शारदा,उप सेवाकेन्द्र संचालिका।

खरड़-पंजाब। शिवरात्रि के अवसर पर कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष जसप्रीत कौर लोंगिया, श्री राम मंदिर अध्यक्ष एंड मैनेजिंग एडिटर युगमार्ग डेली, शशि पाल जैन, मोहाली रोपड सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी, पंजाब ज़ोन मीडिया संयोजक राजयोगी ब्र.कु. करम चंद, ब्र.कु. नम्रता, ब्र.कु. अदिति तथा अन्य।

बवाना-दिल्ली। शिवरात्रि कार्यक्रम में नरेला ज़ोन के चेयरमैन पवन कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. चन्द्रिका एवं ब्र.कु. रोहताश।

फतेहाबाद-हरियाणा। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में नगर परिषद उपप्रधान सविता टुटेजा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मोहिनी दीदी। साथ हैं ब्र.कु. मदन।

रामपुर मनिहारान-उ.प्र। शिवरात्रि के पावन पर्व पर मंचासीन हैं इंस्पेक्टर प्रेमवीर सिंह राणा,फैजाबाद, रिटायर्ड व चेयरमैन प्रतिनिधि कुलदीप बालियान, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. संतोष तथा अन्य।